महिला दिवस पर...

केवल नारी नहीं, शक्ति का सजीव अवतार

आज का युग प्रगति, तकनीक और उपलब्धियों का युग कहलाता है, परंतु इस विकास यात्रा में यदि किसी शक्ति ने चुपचाप, निरंतर और प्रभावशाली भूमिका निभाई है तो वह है नारी शक्ति। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें केवल नारी के बाहरी योगदान की सराहना करने का अवसर नहीं देता, बल्कि उसकी आंतरिक शक्ति, आत्मिक सामर्थ्य और चेतन भूमिका को समझने का संदेश भी देता है।

नारी केवल एक सामाजिक इकाई नहीं है, बल्कि वह ऊर्जा है जो जीवन को जन्म देती है, उसे दिशा देती है और उसे मूल्य प्रदान करती है। वह परिवार की धुरी है, समाज की संवाहक है और संस्कृति की संरक्षिका है।

आठ मार्च का दिन केवल महिला दिवस नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति का स्मरण है जो सृष्टि की आधारशिला है। महिला केवल एक शरीर या सामाजिक भूमिका नहीं है, वह शक्ति का अवतार है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में जब भी शक्ति की बात होती है तो वह दुर्गा, जगदम्बा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में पूजी जाती है। यह संयोग नहीं, बल्कि सत्य है कि पुरुष भी जब शक्ति की आराधना करता है, तो वह नारी रूप में ही करता है।

नारी में वह शक्ति समाई हुई है जो सृजन करती है, संरक्षण करती है और आवश्यकता पड़ने पर संहार भी कर सकती है। माँ के रूप में वह जीवन देती है, बहन के रूप में संबल बनती है, पत्नी के रूप में सहयोगी होती है और समाज में वह मार्गदर्शक बनकर उभरती है। यही कारण है कि शास्त्रों में कहा गया है -"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता" अर्थात् जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो नारी में तीनों शक्तियां समाहित हैं- इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति। इच्छा शक्ति से वह संकल्प लेती है, ज्ञान शक्ति से विवेकपूर्ण निर्णय करती है और क्रिया शक्ति से उन्हें साकार करती है। यही शक्तियां संसार की हर समस्या का समाधान प्रस्तुत कर सकती हैं,चाहे वह परिवार हो, समाज हो या सम्पूर्ण विश्व।

दुर्गा का रूप हमें सिखाता है कि नारी कमज़ोर नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़ी होने वाली अपराजेय शक्ति है। लक्ष्मी यह संदेश देती है कि नारी समृद्धि और संतुलन की जननी है और सरस्वती यह बताती है कि नारी हर ज्ञान और संस्कारों की वाहक है। जब पुरुष इन रूपों की पूजा करता है तो वह वास्तव में नारी शक्ति की महिमा को स्वीकार करता है।

आज की नारी केवल घर तक सीमित नहीं है। वह शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, अध्यात्म और नेतृत्व हर क्षेत्र में अपनी शक्ति का प्रमाण दे रही है, लेकिन सबसे बड़ी शक्ति उसकी आंतरिक शांति, सहनशीलता और करुणा है जो टूटे हुए मनों को जोड़ सकती है और बिगड़े हुए हालात को सुधार सकती है।

महिला दिवस का सच्चा अर्थ यही है कि नारी को केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन सम्मान मिले। जब नारी अपनी शक्ति को पहचान लेती है तो वह स्वयं का ही नहीं, पूरे संसार का उत्थान कर सकती है। वह शक्ति है, समाधान है और सृष्टि की आधार रेखा है।

हरिद्वार-उत्तराखंड। नववर्ष 2026 पर हरिद्वार कुम्भ मेला 2027 के सफल आयोजन हेतु विचार सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी, गुरु गोरक्षनाथ आश्रम के पीठाधीश्वर महंत योगी सागरनाथ, राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मीना दीदी तथा अन्य।

चक्रधरपुर-झारखंड। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज पाठशाला आगमन पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सह वर्तमान सिंहभूम सांसद जोबा माझी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए पाठशाला संचालिका ब्र.कु. मानिनि।

भादरा-राज.। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के 57वें पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर ब्रह्मा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रकांता दीदी, आजाद मेडिसिन सेंटर से डॉ. बीएस आजाद, पार्षद अयूब जमाल, डॉ. वैद प्रकाश व व्यापार मंडल अध्यक्ष चंपालाल।

हाथरस-उ.प्र.। गणतंत्रता दिवस कार्यक्रम के पश्चात् जिलाधिकारी अतुल वत्स को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भावना। साथ हैं एडीएम, एसडीएम सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं ब्र.कु. बबीता।

कोटा-राज.। श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. आरती।

ऋषिकेश-उत्तराखंड। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा(दादा लेखराज) के 57वें स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पुष्पों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में स्वामी श्याम जी महाराज, महंत जगदीश शर्मा,लक्ष्मण मंदिर, स्वामी प्रियोब्रतानंद जी महाराज,भारत सेवाश्रम संघ, अमन कुमार,सह नगर आयुक्त, ब्र.कु. आरती तथा अन्य।

दिल्ली-लोधी रोड। भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला के उपरांत समूह चित्र में ख्यात मनोचिकित्सक डॉ. सुधीर खंडेलवाल, ब्र.कु. गिरिजा, ब्र.कु. पीयूष एवं प्रतिभागी।

बैरिया-उ.प्र.। हिन्दू सम्मेलन के पश्चात् श्री राधा कृष्ण स्वामी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पुष्पा। साथ हैं ब्र.कु. अजय।

जयपुर-राज.। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य पर ब्रह्माकुमारीज राजापार्क सेवाकेन्द्र में 'नया संकल्प, नई दिशा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् केडिया ग्रुप डायरेक्टर राजेन्द्र केडिया को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सोडाला सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्नेहा। साथ हैं बॉलीवुड एक्टर जितेन्द्र सिंह जादौन।

दिल्ली-पीतमपुरा। गणतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवाकेन्द्र पर ध्वजारोहण करने के पश्चात् काउन्सलर अमित नागपाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रभा।